Dainik Bhaskar, 20th August 2017

ग्रामीण महिलाओं के लिए इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स लाए सैनिटरी नैपकिन का स्टार्टअप, मिली 5 लाख फंडिंग

आईआईएम में शनिवार को हुई आई फाइव समिट की शुरुआत, सिंगापुर के आनंद गोविंद अलुरी ने दो स्टार्टअप्स को किया फंड

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

स्टार्टअप्स के लिए देश के दो सर्वोच्च शैक्षणिक संस्थान आईआईएम और आईआईटी मिलकर आई फाइव समिट कराते हैं। शनिवार से आईआईएम इंदौर में इसकी शुरुआत हुई। पहले दिन सोशल आंत्रप्रेन्योर्स के प्रेजेंटेशन हुए। छह स्टार्टअप्स ने अलग-अलग सामाजिक समस्याओं का हल अपने स्टार्टअप के जरिए बताया। इंदौर के एक एक्रोपॉलिस कॉलेज के स्टूडेंट्स के स्टार्टअप 'उड़ान' को मौके पर ही 5 ल रुपए की फंडिंग मिली।

इसके साथ झाबुआ में मिलनेवाली बांस की टोकनियों और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स पर काम करने वाले स्टार्टअप गांवमार्ट को भी डेढ़ लाख रुपए की फंडिंग मिली। दोनों ही स्टार्टअप्स को सिंगापुर बेस्ड एंजल फंडर आनंद गोविंदअलुरी ने फंड किया। समिट में अर्बन लैडर के राजीव श्रीवत्स और एयरबीएनबी के वरुण रैना सहित सभी स्पीकर्स ने स्टूडेंट्स से इंटरेक्शन किया। आई5 समिट का मेन इवेंट गेट फंडेड आज होगा। इसमें 16 स्टार्टअप्स शामिल होंगे।

आई-5 समिट में पांच स्टार्टअप्स फाइनल राउंड तक पहुंच पाए।

स्कूल की कॅरिकुलर एक्टिविटीज़ आंत्रप्रेन्योरशिप की बेसिक ट्रेनिंग है, इनमें हिस्सा लेते रहिए

राजीव श्रीवत्स ने अपने लेक्चर में कहा कि स्कूल से लेकर कॉलेज तक पूरी स्टूडेंट लाइफ में आपको एकेडमिक्स के अलावा को-कॅरिकुलर एक्टिविटीज में भी शामिल होना चाहिए। ये आपकी आंत्रप्रेन्योरशिप की बेसिक ट्रेनिंग है। लोगों के सामने आत्मविश्वास से बोलना, मंच पर प्रस्तुति देना, परफॉर्मेंस से ऐन पहले हुई गड़बिड़ियों को संभालना... ये सब पूरी लाइफ काम आएगा।

इंदौर में बनाएंगे इन्क्यूबेशन सेंटर, शहर में मिलेगी इंटरनेशनल फंडिंग

अब तक तकरीबन 60 स्टार्टअप्स को फंडिंग दे चुके सिंगापुर के बिज़नेसमैन आनंद गोविंदअलुरी ने बताया 'पूरी दुनिया में स्टार्टअप का सक्सेस रेट 50 फीसदी है और ये अच्छा फिगर है। यंगस्टर्स को ध्यान रखना चाहिए कि स्टार्टअप सक्सेसफुली चले इसके लिए टीम साइज़, टीम मेम्बर्स की कैपेसिटी, आयडिएशन और बिज़नेस मॉडल के अलावा इनोवेटर का अपने आयडिया में भरोसा होना बहुत जरूरी है। कोई भी फंडर सबसे पहले आइडिया में आपका भरोसा और उत्साह ही देखता है। उन्होंने कहा इंदौर में स्टार्टअप को लेकर काफी अच्छा माहौल है। आई फाइव समिट जैसे इवेंट देश में कहीं नहीं होते। यहां के स्टूडेंट्स का उत्साह और उनकी क्षमताएं देखते हुए ही हमने यहां इन्क्युबेशन सेंटर बनाने का फैसला किया है। इसके लिए लोकल ऑर्गनाइज़ेशन्स से बातचीत जारी है। जल्द ही इंटरनेशनल लेवल की मेंटरशिप और फैसेलिटीज़ दी जाएंगी।

सोशल-पॉलिटिकल इश्यूज़ पर शहर के ये पांच स्टार्टअप्स पहुंचे समिट के फाइनल राउंड में

1. जनता चौपाल : सोशल पॉलिटिकल मीडिया एप्लिकेशन है ये। इसके जरिए आम जनता उन

प्रतिनिधियों से सीधे जुड़ सकती है, उनसे सवाल कर सकती है जिन्हें उन्होंने वोट दिया है। अपना प्रतिनिधि चुना है। इसमें नागरिक अपने-अपने वॉर्ड की दशा बताती तस्वीरें भी शेअर कर सकते हैं। हाई कमान भी इसमें जुड़ी रहेगी। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी

2. फूड बैंक एटीएम : शहर के युवाओं द्वारा की गई यह ऐसी पहल है जिसके जरिए वे होटल्स और घरों में बचा खाना वेस्ट होने से

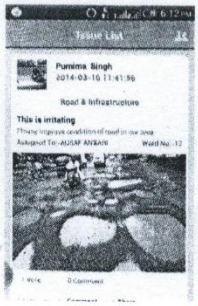

बचाकर जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं। असल में ये कम्यूनिटी फ्रिज हैं जिनमें खाना रखा होता है। जो लाचार हैं, गरीब हैं वे यहां से मुफ्त में खाना ले लेते हैं। यह सरप्लस फूड मैनेजमेंट सिस्टम है। अन्न की बर्बादी रोक रहे और सोशल सर्विस भी कर रहे हैं ये यंगस्टर्स। जिनके लिए वे खाना रख रहे हैं, उन्हें फूड एटीएम के बारे में बताने के लिए बस्तियों में

3. उड़ान : इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स का यह स्टार्टअप उन ग्रामीण महिलाओं को राहत पहुंचा सकता है जो आर्थिक तंगी होने और जागरूकता न होने से सैनिटरी नैपकिन इस्तेमाल नहीं कर रहीं। गांवों में अब भी महिलाएं पीरियड्स में रेत, घास और राख इस्तेमाल कर रही हैं जो बेहद खतरनाक है। इससे उन्हें कई बीमारियां हो रही हैं। ओवरियन कैंसर भी बढ़ रहा है। लड़कियां प्यूबर्टी के बाद पढ़ाई छोड़ रही हैं। उड़ान का एक और मजबूत पहलू यह है कि सैनिटरी नैपकिन प्लांट गांवों में ही लगाए जाएंगे और ग्रामीण महिलाएं ही ये नैपकिन बनाएंगी। उन्हें रोज़गार भी मिलेगा और जागरुकता भी आएगी।

4. स्क्रैप बज़ : चौथा स्टार्टअप स्क्रैप बज़ है। इसमें काम करने वाली टीम गाड़ियों के कबाड़ और कलपुर्जों से काम में आने वाली चीजें बनाते हैं। अपसायक्लिंग इस

5. गांवमार्ट : पांचवां स्टार्टअप आईआईएम इंदौर का था जो झाबुआ के ग्रामीणों द्वारा बनाई जाने वाली बांस की टोकनियों और आर्टिफैक्ट्स को बड़ा मार्केट उपलब्ध कराने के आइडिया पर बेस्ड था। ये वहां रहकर हैंडीक्राफ्ट बनाने वाले कारीगरों को मुख्य